KU Newsletter

December 2025/ Edition 9, Vol. 1 भाद्रपद, विक्रम संवत १० ८२

www.kuk.ac.in

कुवि में अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन 2025 का हुआ समापन

गीता केवल ग्रंथ नहीं बल्कि भारतीय प्रबंधन का पुराना माडलः राजनाथ सिंह

कुवि परिसर। भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि गीता का संदेश केवल भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं है बल्कि यह पूरे विश्व का ग्रंथ है। गीता ने हम सभी के जीवन को प्रभावित किया है। गीता के प्रचार–प्रसार में हरियाणा सरकार पूरा सहयोग कर रही है। इस प्रकार के आयोजन हमारी युवा पीढ़ी की चेतना को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, विदेश मंत्रालय और कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में श्रीमद्भगवद्गीतोक्त स्वधर्मः कर्तव्यनिष्ठा, शांति, सद्भावना एवं स्वदेशी की प्रेरणा विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता सम्मेलन 2025 के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि गीता के उपदेश 5000 वर्ष अधिक से पूर्व समस्त मानवता के उत्थान के लिए दिया हुआ ज्ञान है। यदि किसी को भारत की आत्मा को समझना है तो उसे कुरुक्षेत्र की धूल में ढूंढना होगा। कृष्ण की वाणी आज भी कुरुक्षेत्र की हवाओं में गूंज रही है। आत्मा कभी नहीं मरती है। जीवन की अनिश्चताओं व हर परिस्थिति से बाहर निकालता है। गीता का असली सदेंश त्यागी बनना है। अज्ञानता, अकर्मठता, अंहकार का त्याग का अर्थ गीता है। आज विश्वविद्यालयों में गीता पढ़ाई जा रही है। गीता शाश्वत व मार्गदर्शक ग्रंथ है। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा कि गीता हमें स्वधर्म से पलायन न करने की शिक्षा देती है। भगवान कृष्ण ने अर्जुन को स्वध र्म का संदेश दिया था। भारत की नीति कभी युद्ध की नहीं रही है। गीता के कर्मयोग का हमें पालन करना चाहिए। स्वधर्म केवल मजहब की स्थिति नहीं है। धर्म उदारता, खुलेमन का नाम है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने स्वागत भाषण देकर सम्मेलन के उद्देश्य, महत्व और गीता संदेश की वैश्विक प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कुवि को नैक द्वारा ए–प्लस–प्लस ग्रेड प्राप्त है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को उसके सभी प्रमुख प्रावधानों के साथ लागू करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय हैं। उन्होंने कहा कि गीता का संदेश निस्वार्थ कर्म और स्वधर्म का पालन ही वास्तविक शांति और समरसता का मार्ग है।

कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि गीता को पढ़े और समझे। गीता को अपने जीवन में अपनाएं और आत्मसात करें और विकसित भारत के सपने को साकार करें। मौलाना काकोब ने कहा कि गीता इंसानियत, मुल्कों को चलाती है। उन्होंने गीता जिंदाबाद, भारत माता की जय का नारा लगवाया। जैन समाज के श्री विवेक मुनि जी ने कहा कि गीता का संदेश प्रत्येक व्यक्ति के लिए है और इसे हमे अपने जीवन में अपनाना चाहिए। कार्यक्रम का समापन कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव और राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। मंच का संचालन प्रो. विवेक चावला ने किया। इस अवसर पर पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा, जय भगवान शर्मा डीडी, मलेशिया से संत स्वामी संत प्रकाशानंद महाराज, कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, केडीबी के सीईओ पंकज सेतिया, एनआईटी के निदेशक डॉ. बीवी रमन्ना रेड्डी, कैप्टन परमजीत सिंह, संदीप छाबड़ा, सम्मेलन निदेशक प्रो. तेजेन्द्र शर्मा, सहित गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया 'हरियाणा पवेलियन' का विधिवत अवलोकन

हरियाणा पवेलियन बना हरियाणा की 70 स्टॉलों वाली सांस्कृतिक गैलरी

कुवि परिसर। भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तथा कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को 'हरियाणा पवेलियन' का विधिवत शुभारंभ किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर उनके साथ गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज, कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल, हरियाणा सरकार के मंत्री कृष्ण बेदी, कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, केडीबी सीईओ पंकज सेतिया, केडीबी मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल, प्रो. विवेक चावला छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी, डॉ. ऋषिपाल, डॉ. सलोनी दिवान, डॉ. कुलदीप आर्य समेत कई प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। हरियाणा पवेलियन में पंहुचने पर कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल सिंह ने देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत किया। हरियाणा की मान–सम्मान की प्रतीक पगड़ी पहनाकर उनका अभिवादन किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हरियाण ा पवेलियन का विधिवत उद्घाटन करने के बाद कहा कि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय 'स्वधर्म' और 'कर्तव्यनिष्ठा' का वैश्विक मंच है। हरियाणा पवेलियन के माध्यम से देश–विदेश से आए लोगों को यह समझने का मौका मिलेगा कि कैसे हरियाणा की संस्कृति और जीवनशैली में भी गीता के कर्मयोग और त्याग का दर्शन समाहित है।" उन्होंने यह भी कहा कि यह हरियाणा पवेलियन आधुनिकता के साथ अपनी जड़ों को जोड़ने का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को बल देता है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा की खुले दिल से प्रशंसा की और कहा कि हरियाणा प्रांत व विश्वविद्यालय प्रगति की राह पर अग्रसर है। कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के कुशल मार्गदर्शन में तैयार किए गए हरियाणा पवेलियन को हरियाणा की पारंपरिक, सांस्कृतिक, और आध्यात्मिक पहचान को एक ही छत के नीचे समेटने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। हरियाणा पवेलियन आगंतुकों को हरियाणा राज्य की जीवनशैली और परंपराओं से रूबरू होने का बेहतरीन मौका देगा। पवेलियन में हरियाणा की समृद्ध लोक सांस्कृतिक विरासत, ग्रामीण शिल्पकला, और हथकरघा उत्पादों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। पवेलियन के भीतर लगभग 70 स्टालों में लगाई गई कलाकृतियाँ, मॉडल, और शिल्पकारों के लाइव डेमो आगंतुकों को हरियाणा की 'मिट्टी की खुशबू' का अनोखा अनुभव कराएंगे। हरियाणा पवेलियन में इस बार आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की संकल्पना के स्वरूप नवाचार एवं उद्यमिता द्वारा स्वदेशी उत्पाद की प्रदर्शनी के माध्यम से स्वदेशी जागरण अभियान को गति मिलेगी।

हरियाणवी संस्कृति सबसे समृद्धः डॉ. ममता सचदेवा

हरियाणा पैवेलियन में दिख रहे हरियाणवी संस्कृति के बहुआयामी रंग

कुवि परिसर। हरियाणवी संस्कृति सबसे समृद्ध है। हरियाणा के रीति–रिवाज, परम्पराएं, काम धंधे, वेशभूषा, रहन–सहन, बोल–बानी का कोई मुकाबला नहीं। हरियाणा पैवेलियन में आकर पूरे हरियाणा के दर्शन एक ही जगह हो जाते हैं। यहां पर हरियाणवी संस्कृति के बहुआयामी रंग दिखाई देते हैं। यह विचार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा की धर्मपत्नी एवं भारत विकास परिषद की मैत्रेयी शाखा की अध्यक्ष डॉ. ममता सचदेवा ने हरियाणा पैवेलियन का अवलोकन करने के बाद व्यक्त किए। हरियाणा पैवेलियन में पंहुचने पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग की उप–निदेशक डॉ. सलोनी पवन दिवान ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया और उन्हें पूरे पैवेलियन का अवलोकन करवाया। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एवं कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में पुरुषोत्तमपुरा बाग में हरियाणा पैवेलियन का आयोजन किया जा रहा है। पैवेलियन में पंहुचने पर हरियाणा की मान–सम्मान की प्रतीक पगड़ी पहनाकर डॉ. ममता सचदेवा का स्वागत किया गया। हरियाणा की वेशभूषा तथा हिसार के फांसी गांव से आए सुभाष के फुलझड़ी, बंदरवाल, गुड्डा–गुड्डी और घोड़ो को देखने में गहरी रूचि दिखाई। इसके साथ–साथ उन्होंने हरियाणा के काम–धंधों पर आधारित प्रदर्शनी को बड़ी जिज्ञासा के साथ देखा। यहीं नहीं उन्होंने दरी बनाती महिला का हाथ भी बढ़ा के सहयोग

किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने अनाज की चक्की को पीसकर अनाज पीसने का भी अनुभव प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने ललित कला विभाग व जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के छात्रों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन करते हुए बड़ी बारीकी से जानकारी लेकर छात्रों का हौंसला बढ़ाया। स्वावलंबी भारत व आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए हरियाणा पैवेलियन में लगाए गए स्वदेशी जागरण मंच द्वारा लगाए गए विकास के स्टाल पर जाकर मार्बल के चूने से बनाए गए सामान को देखने में गहरी रूचि दिखाई। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय इसके लिए बधाई का पात्र है। जहां देश–विदेश से आने वाले पर्यटकों को हरियाणवी संस्कृति से रूबरू होने का मौका मिला वहीं छात्रों को भविष्य के उद्यमी बनकर आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने का भी अवसर प्राप्त हुआ।

हरियाणा पवेलियन हरियाणा की संस्कृति, परंपरा और प्रगतिशील सोच का उत्कृष्ट संगमः नायब सिंह सैनी

कुवि परिसर। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एवं कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में स्थापित 'हरियाणा पवेलियन' इन दिनों लोगों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बना हुआ है। अपनी भव्य सजावट, सांस्कृतिक विविधता और आधुनिक उपलब्धियों की अनूठी प्रस्तुति के कारण यह पवेलियन पूरे परिसर में सबसे अधिक चर्चा में है।

मंगलवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के आगमन ने हरियाणा पवेलियन की गरिमा को और बढ़ा दिया। उनके पंहुचने पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री को हरियाणा की मान–सम्मान का प्रतीक पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा पवेलियन का अवलोकन करते हुए इसकी भूरी–भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह पवेलियन हरियाणा की संस्कृति, परंपरा और प्रगतिशील सोच का उत्कृष्ट संगम है। उन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस पवेलियन ने वास्तव में हरियाणा की आत्मा को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विशेष रूप से ग्रामीण जीवन को दर्शाते जीवंत मॉडलों, लोककला की पारंपरिक झलक, हरियाणा के इतिहास, किसानों की उपलब्धियों, हरियाणवी शिल्प, स्वदेशी उत्पाद, खान–पान, स्टार्टअप स्टाल, धरोहर, सरस्वती नदी अनुसंधान केन्द्र, आधुनिक तकनीकी प्रगति को दर्शाते प्रदर्शनों की प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह पवेलियन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और हरियाणा की पहचान को वैश्विक मंच पर मजबूती से स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा पवेलियन की एक विशेषता यह भी है कि यहां आगंतुकों को प्रदेश की संस्कृति से सीधे जुड़ने का अनुभव मिलता है। लोकनृत्य, पारंपरिक संगीत, हस्तशिल्प, मिट्टी के बर्तन, हरियाणवी वेशभूषा, किसानों की दिनचर्या, सांस्कृतिक धरोहर से संबंधित विभिन्न प्रदर्शनी इसे एक जीवंत सांस्कृतिक संग्रहालय का स्वरूप प्रदान करती हैं। आधुनिक हरियाणा को दर्शाने वाले डिस्प्ले, स्टार्टअप्स की उपलब्धियाँ और विकास कार्यों की झलक इस पवेलियन को और भी समृद्ध बनाती हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा पवेलियन न केवल हमारी सांस्कृतिक जड़ों को जोड़ता है, बल्कि यह दर्शाता है कि किस तरह परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संतुलन हमारे राज्य को आगे बढ़ा रहा है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने अपने श्रेष्ठ आयोजन कौशल और दूरदृष्टि का परिचय देते हुए इस पवेलियन को विशेष पहचान दिलाई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वे ऐसी पहल का पूरा समर्थन करते हैं और भविष्य में भी हरियाणा की संस्कृति और युवाओं की प्रतिभा को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने भी मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह पवेलियन हरियाणा की आत्मा, गौरव और सांस्कृतिक वैभव को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का एक प्रयास है। इस अवसर पर भाजपा नेता जय भगवान शर्मा डीडी, भाजपा जिलाध्यक्ष तेजेन्द्र सिंह गोल्डी, पशुधन बोर्ड के चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर, मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी, युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक प्रो. विवेक चावला सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन में 835 शोध पत्रों का हुआ प्रस्तुतीकरण।

कुवि परिसर। विदेश मंत्रालय, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में श्रीमद्भगवद्गीतोक्त स्वधर्मः कर्तव्यनिष्ठा, शांति, सद्भावना एवं स्वदेशी की प्रेरणा विषय पर आयोजित तीन दिवसीय 10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन का समापन गुरुवार को हुआ। यह आयोजन गीता की सनातन प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए एक वैश्विक बौद्धिक मंच के रूप में उभरा। कुवि के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बताया कि सम्मेलन में स्पष्ट हुआ कि गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन का शाश्वत मार्गदर्शन है, जो हर युग, हर संस्कृति और हर परिस्थिति में समान रूप से प्रासंगिक बनी हुई है। इस सम्मेलन को विशेष अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करने में अमेरिका, जापान, थाईलैंड, चीन, हंगरी, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया सहित 16 देशों के विद्वानों ने हिस्सा लेकर इसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित गोलमेज सम्मेलन गीता के व्यावहारिक जीवन–दर्शन पर केंद्रित एक उत्कृष्ट अंतरराष्ट्रीय बौद्धिक संवाद साबित हुआ। प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बताया कि इस वर्ष सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि रही 835 शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि गीता पर अकादमिक शोध और नवीन विचारों की धारा निरंतर प्रवाहित हो रही है। विश्वविद्यालय के 15 विभागों द्वारा आयोजित 13 तकनीकी सत्रों ने इस आयोजन की व्यापकता और शैक्षणिक गहराई को दर्शाया। विधि विभाग द्वारा आयोजित तकनीकी सत्र में 175 शोध पत्र, प्रबंधन अध्ययन और इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज से 159, सामाजिक कार्य विभाग से 74, ललित कला विभाग से 74, पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग से 57, संस्कृत, पाली एवं प्राकृत विभाग से 56, गृह विज्ञान विभाग से 53, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं गीता अध्ययन केंद्र से 52 प्रतिभागी शामिल हुए हैं। इसके अतिरिक्त आईआईएचएस द्वारा आयोजित तकनीकी सत्र में 33, पंजाबी विभाग में 30, यूआईईटी संस्थान द्वारा आयोजित तकनीकी सत्र में 27, डॉ. भीमराव अंबेडकर अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित तकनीकी सत्र में 26 और आईटीटीआर द्वारा आयोजित तकनीकी सत्र में 19 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

सम्मेलन के निदेशक प्रो. तेजेन्द्र शर्मा ने बताया कि तीन दिनों तक देश–विदेश के विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया, जो गीता के प्रति बढ़ती वैश्विक रुचि का स्पष्ट संकेतक है। इस तीन दिवसीय आयोजन में भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कैबिनेट मंत्री अनिल विज, हरियाणा सरकार के मंत्री कृष्ण बेदी, प्रसिद्ध आर्थिक विशेषज्ञ सतीश जी, सांसद नवीन जिंदल, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज, मौलाना काकोब, श्री विवेक मुनि, भाई सतपाल सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार रखे। सभी वक्ताओं ने सहमति जताई कि गीता का संदेश विश्व शांति, सद्भाव, नेतृत्व कौशल, आत्मानुशासन और मानवता के वैश्विक सरोकारों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि तीन दिवसीय सम्मेलन ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि आज के आधुनिक और उथल–पुथल भरे युग में गीता का दर्शन कर्तव्यपरायणता, शांति और सद्भावना के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देकर मानवता का मार्गदर्शन कर सकता है।

कुवि के भूभौतिकी विभाग की शोधकर्ता डॉ. रेनू यादव यंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी लीडर के रूप में हुई सम्मानित

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के भूभौतिकी विभाग की शोधकर्ता डॉ. रेनू यादव को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा यंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी लीडर (45 वर्ष से कम आयु वर्ग) के रूप में सम्मानित किया

डॉ. रेनू यादव

2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित एमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्क्लेव (इएसटीआइसी 2025) में प्रदान किया गया। विकसित भारत 2047 – सतत नवाचार, तकनीकी प्रगति और सशक्तिकरण की दिशा में अग्रसर विषय पर आयोजित इस प्रतिष्ठित कॉन्क्लेव का उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। इसमें नोबेल पुरस्कार विजेताओं, नीति–निर्माताओं और नवाचारकर्ताओं ने भाग लिया।

डॉ. रेनू यादव का शोध भूकंपीय खतरे का मानचित्रण, एक्सेलेरोग्राम मॉडलिंग और भूकंप प्रतिरोधक क्षमता पर केंद्रित है। उनका उद्देश्य हिमालयी क्षेत्र और इंडो–गंगा मैदान जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे की सुरक्षा को मजबूत करना है। उनका कार्य सैद्धांतिक भूकंप विज्ञान और व्यावहारिक इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के बीच सेतु का काम करता है, जिससे आपदा जोखिम में कमी और सतत विकास को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. रेनू यादव ने भारत के अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र को दिशा देने वाले प्रमुख नेताओं से संवाद किया, जिनमें डॉ. जितेंद्र सिंह, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, प्रो. अजय कुमार सूद, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, प्रो. अभय करंदीकर, सचिव डीएसटी, डॉ. शिवकुमार कल्याणरमन, सीईओ एएनआरएफ, श्री बाबा कल्याणी, चेयरमैन एवं एमडी, भारत फोर्ज लिमिटेड शामिल थे।

अपनी खुशी व्यक्त करते हुए डॉ. रेनू यादव ने कहा कि यह सम्मान उन्हें भारत के आत्मनिर्भर, ज्ञान–आधारित भविष्य के दृष्टिकोण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित करता है। उनका लक्ष्य भूकंपीय सुरक्षा और आपदा प्रतिरोधक क्षमता के लिए नवाचार पूर्ण समाधान विकसित करना है। उन्होंने अपने मार्गदर्शक डॉ. दिनेश कुमार को उनके अमूल्य मार्गदर्शन के लिए, डॉ. भगवान सिंह चौधरी, भूभौतिकी विभाग के अध्यक्ष को उनके निरंतर सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।

कार्यकारिणी परिषद में 10 शिक्षकों को मिली सीनियर प्रोफेसर पद पर पदोन्नति

कुवि में कार्यकारिणी परिषद की 288वीं बैठक सम्पन्न

कुवि परिसर। कुवि के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा की अध्यक्षता में को कमेटी रूम में कार्यकारी परिषद की 288वीं बैठक आयोजित हुई, जिसमें 22 महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर शैक्षणिक एवं प्रशासनिक निर्णय लिए गए। बैठक में सीनियर प्रोफेसर, प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के पदों पर शिक्षकों की पदोन्नति को मंजूरी प्रदान की गई। बैठक में कॉमर्स विभाग की प्रोफेसर नीलम रानी, गणित विभाग के प्रोफेसर विनोद कुमार, भूगोल विभाग के प्रोफेसर एस.पी.कौशिक, केमिस्ट्री विभाग की प्रोफेसर नीरा राघव, कम्प्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन विभाग के प्रोफेसर राकेश कुमार, जियोफिजिक्स विभाग के प्रोफेसर भगवान सिंह चौधरी, यूएसएम की प्रोफेसर निर्मला चौधरी, अंग्रेजी विभाग की प्रोफेसर सुनीता सिरोहा, लाइब्रेरी साइंस विभाग के प्रोफेसर दिनेश कुमार तथा भूगोल विभाग की प्रोफेसर डॉ. राजेश्वरी को सीएएस के तहत् सीनियर प्रोफेसर पद पर पदोन्नति की मंजूरी प्रदान की गई। इसके साथ ही कामर्स विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रश्मि चौधरी तथा आईआईएचएस के अंग्रेजी विभाग के

एसोसिएट प्रोफेसर वीरेन्द्र पाल को सीएएस के तहत् प्रोफेसर पद पर पदोन्नत करने की मंजूरी प्रदान की गई। वहीं संगीत एवं नृत्य विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आरती श्योकंद व टूरिज्म विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दिनेश कुमार को सीएएस के तहत् एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत करने की मंजूरी प्रदान की गई। बैठक में उप अधीक्षकों के पदोन्नति मामलों पर स्थापना समिति की सिफारिशों को स्वीकृति दी गई। आईआईएचएस की गणित विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. अभिलाषा को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में पीएच.डी. कार्य पूर्ण करने हेतु प्रदत्त अवैतनिक अध्ययन अवकाश की अवधि के दौरान वार्षिक वेतन वृद्धि देने के प्रस्ताव को भी सहमति मिली। गणित विभाग के ही डॉ. विकास पोपली को एसोसिएट प्रोफेसर (जनरल) पद पर पदोन्नति के लिए चयन समिति की सिफारिशों पर भी चर्चा की गई और संबंधित प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। इसी प्रकार टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट के एसोसिएट प्रोफेसर(एसएफएस) डॉ. अंकुश अम्बरदार, को एक वर्ष के लिए अवैतनिक अतिरिक्त अवकाश प्रदान करने और नियुक्ति अवधि बनाए रखने पर भी परिषद ने सहमति जताई। तकनीकी सलाहकार (सिविल) के रूप में एस. ए. के. मोदी की निश्चित अवधि के लिए नियुक्ति को मंजूरी देने का निर्णय लिया गया। बैठक में विभिन्न विभागों में प्रोफेसरों, एसोसिएट प्रोफेसरों और असिस्टेंट प्रोफेसरों के रिक्त पदों पर चयन हेतु बनाई गई चयन समिति का गठन भी अंतिम रूप दिया गया। बाल देखभाल अवकाश (चाइल्ड केयर लीव) मामलों की समीक्षा समितियों की रिपोर्टों पर भी विचार किया गया। संस्कृत एवं इंडोलॉजिकल स्टडीज संस्थान के प्रो. राजेन्द्र सिंह की प्रतिनियुक्ति अवधि को बढ़ाने के प्रस्ताव को अनुमति दी गई। पंजाबी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. परमजीत कौर को एक वर्ष का अतिरिक्त अवैतनिक अवकाश प्रदान किया गया तथा उनके मूल पद पर लीयन बनाए रखने की अनुमति दी गई। बैठक में भूभौतिकी विभाग के सेवानिवृत्त प्रो. दिनेश कुमार को पुनः सेवा प्रदान करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में कुवि परिसर में निर्माणाधीन ऑल–वेदर ओलंपिक साइज स्विमिंग पूल की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। परिषद ने निर्माण कार्य को समयबद्ध रूप से पूरा करने पर जोर दिया। पीएच.डी. कार्यक्रम शुरू करने हेतु आवेदन शुल्क, अस्थायी एफिलिएशन शुल्क और स्थायी एफिलिएशन शुल्क को निर्धारित करने संबंधी प्रस्ताव को चर्चा के बाद स्वीकृति मिली।आईपीआर एवं टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के मानद प्रोफेसर प्रो. रमेश कुमार मेहता के 4 अक्टूबर 2025 से प्रभावी त्यागपत्र के संबंध में कुलपति द्वारा की गई कार्रवाई को परिषद ने अनुमोदित किया। बैठक में केवल भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित शोध परियोजनाओं के तहत वैज्ञानिक उपकरण खरीद की वित्तीय सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव मंजूर किया गया। अब खरीद समिति 10 लाख रुपये के बजाय 25 लाख रुपये तक के उपकरण सीधे खरीदने तथा सीमित निविदा प्रक्रिया की सीमा 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये करने की सिफारिश की गई। इसके साथ ही, परिषद ने कुवि के सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन में चलने वाले पांच ऑनलाइन स्नातकोत्तर कार्यक्रमों एम. बी.ए., एम.कॉम., एम.ए. मास कम्युनिकेशन, एम.ए. अंग्रेजी और एम.ए. पॉलिटिकल साइंस की फीस जनवरी 2026 सत्र से बढ़ाने की सिफारिश को भी स्वीकृति दे दी। कुलपति प्रो. सोमनाथ द्वारा गठित समिति की सिफारिशों के आधार पर यह फैसला लिया गया। बैठक में डिस्टेंस एजुकेशन से जुड़े मानदंडों में बदलाव को भी मंजूरी मिल गई। पर्सनल कॉन्टेक्ट प्रोग्राम और पाठ्य सामग्री के लेखन, जाँच और संशोधन जैसे कार्यों के लिए नई दरें और नियम लागू होंगे। स्थायी परिषद द्वारा पहले ही पारित इन प्रस्तावों को अब कार्यकारी परिषद की औपचारिक स्वीकृति मिल चुकी है। इस बैठक में कुलसचिव लेफ्टिनेंट डॉ. वीरेन्द्र पाल सहित कार्यकारिणी परिषद के सदस्य मौजूद रहे।

हरियाणवी संस्कृति के संरक्षण की नई पहल : मीडिया चौपाल

कुवि परिसर। अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव 2025 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत 'हरियाणवी मीडिया चौपाल' इस वर्ष का सबसे आकर्षक, नवोन्मेषी और बहु–आयामी प्रयास बनकर उभरा है। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के कुशल मार्गदर्शन में युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग तथा जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान ने इसे पहली बार हरियाणा पवेलियन में स्थापित किया। यह पहल न केवल हरियाणवी संस्कृति के संरक्षण का माध्यम बनी, बल्कि आधुनिक मीडिया तकनीकों के जरिए पवित्र गीता के संदेश को जन–जन तक पहुँचाने का भी सशक्त मंच सिद्ध हुई। हरियाणा पवेलियन में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा लगाई गई इस अनूठी चौपाल ने न केवल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को नए रंग में प्रस्तुत किया है, बल्कि आधुनिक तकनीकी माध्यमों के जरिए विरासत को जन–जन तक पहुँचाने का एक सफल प्रयास भी किया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में आयोजित इस मीडिया चौपाल की हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विशेष रूप से सराहना की। ब्रह्मसरोवर आगमन के दौरान उन्होंने कहा कि यह पहल हरियाणवी संस्कृति के संरक्षण और उसके प्रचार–प्रसार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने मीडिया चौपाल को विश्वविद्यालय की दूरदर्शी सोच का परिणाम बताते हुए कहा कि इससे नई पीढ़ी अपनी जड़ों और संस्कृति से मजबूती से जुड़ पाएगी। हरियाणा चौपाल में केन्द्रीय उर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर, हरियाणा के

पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, जिला परिषद के वाइस चेयरमैन धर्मपाल चौधरी, मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी सहित कई गणमान्य लोगों ने उपस्थित दर्ज की। सभी ने मीडिया चौपाल की अवधारणा और इसके क्रियान्वयन की सराहना करते हुए इसे एक उल्लेखनीय प्रयोग बताया।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विशेष रूप से मीडिया चौपाल का निरीक्षण किया और इसे बेहद उपयोगी व प्रभावी पहल बताते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन की खुलकर प्रशंसा की। आज के समय में जिस तेजी से परंपराएं आधुनिकता की भीड़ में खोती जा रही हैं, ऐसे में मीडिया चौपाल जैसी पहलें ही सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करने का वास्तविक समाधान हैं। इस अवसर पर पूर्व राज्य मंत्री हरियाणा, सुभाष सुधा, ने कहा कि मीडिया चौपाल एक ऐसा मंच है जिसमें अपनी बात अपनी बोली और अपणी भाषा में अपणी संस्कृति और पवित्र गीता के श्लोकों पर चर्चा हो रही है। गीता के संदेशों के प्रचार–प्रसार के लिए जितनी पुराने और अत्याधुनिक माध्यमों का प्रयोग जाए उतना ही अच्छा रहेगा क्योंकि यही होना चाहिए। इस अवसर पर बीजेपी के जिला अध्यक्ष सरदार तजेंद्र सिंह गोल्डी और अन्य नेतागण उपस्थित रहे। मीडिया चौपाल में जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने हरियाणवी लोक कला, लोक नृत्य, वाद्य, वेशभूषा तथा पारंपरिक संचार माध्यमों का प्रदर्शन किया। इस सहभागिता ने चौपाल को जीवंत बनाते हुए दर्शकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। सदियों पुरानी सपेरा संस्कृति धीरे–धीरे लुप्त होती जा रही परंपराएँ, उनके लोकगीत, नृत्य, वाद्ययंत्र और प्रकृति के साथ उनका अनोखा संबंध आज नई पीढ़ी तक पहुँच ही नहीं पा रहा। चौपाल में इस संस्कृति को बचाने के लिए सपेरा कला की प्रस्तुतियाँ आयोजित करने और युवाओं को इसके प्रशिक्षण से जोड़ने जैसे महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए। यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और हरियाणवी संस्कृति को नए आयाम देगी। निस्संदेह, ऐसा प्रयास प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को और भी मजबूत करता है और यह उम्मीद जगाता है कि हरियाणा की समृद्ध विरासत आने वाले वर्षों में वैश्विक मंचों पर और भी सशक्त रूप से उभरेगी। हरियाणा पैवेलियन में पहली बार लगी मीडिया चौपाल पर हरियाणवी संस्कृति के लोक कलाकारों, कवियों, प्रशासनिक अधिकारियों, राजनेताओं, गुरु–संतों, बाबाओं, विद्यार्थियों और आम लोगों के मनोभावों को पॉडकास्ट और रील के माध्यम से गीता के संदेश का प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। इस कडी में मास्टर राजकुमार की कच्ची घोड़ी (बुसाना, गोहाना) ने अपनी गायन शैली और नृत्य शैली से दर्शकों को आंनदित किया है। हरियाणा में कच्ची घोड़ी नृत्य पहले विवाह–शादियों, विशेष तीज–त्यौहार पर होता था जिसका स्थान वर्तमान में डीजे ने ले लिया है मीडिया चौपाल के आयोजन में मीडिया संस्थान के शिक्षकों आबिद अली, डॉ. प्रदीप राय, डॉ. अभिनव कटारिया, डॉ. सतीश राणा तथा और विद्यार्थी मानसी, ज्योति, अंजली, अंकिता, वीनू, अरुण, गजेंद्र, लक्ष्य अहम् भूमिका रही।

केयू जनसंचार संस्थान में मनाया नेशनल प्रेस–दिवस

कुवि परिसर। जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के सेमिनार हॉल में नेशनल प्रेस–दिवस मनाया गया है। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया ने नेशनल प्रेस–दिवस की बधाईयां और अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान में चुनौतियों के बावजूद भी भारतीय प्रेस निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रेस अपनी अथक जिम्मेदारी के साथ संपूर्ण देश की जनता को विकास की ओर आगे बढ़ा रही है और यही कारण है कि भारत की जनता भी अपने स्मार्टफोन के माध्यम से प्राप्त सूचनाओं से सशक्त हो रही हैं। प्रोफेसर पूनिया ने कहा कि विद्यार्थियों को भारतीय प्रेस के संपूर्ण इतिहास से सीखते

हुए दैनिक जीवन में कुछ न कुछ लिखते रहना चाहिए ताकि वे भविष्य में वे एक अच्छे पत्रकार बन सके। इस अवसर पर बतौर मुख्यातिथि मुख्यमंत्री, हरियाणा सरकार के मीडिया कोर्डिनेटर तुषार सैनी ने कहा कि प्रेस लोकतंत्र की आत्मा है। यह केवल सूचना देने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज का दर्पण है। भावी पत्रकार अपने दैनिक जीवन में परिश्रम से आगे बढ़े और अपने प्रबुद्ध शिक्षकों, बड़े–बुजुर्गो से सीखते हुए अपना लक्ष्य हासिल करे। उन्होंने कहा कि एक पत्रकार का दैनिक जीवन सूचनाओं से ओतप्रोत होता है जिनसे वह समाज और राष्ट्र की सेवा करता है। भावी पत्रकारों को अपने आप–पास की दैनिक दिनचर्या पर अधिक ध्यान देना चाहिए ताकि उसे अपने शब्दों में अच्छे से व्यक्त किया जा सके। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र जिला जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को कहा कि राष्ट्रीय प्रेस दिवस हमें यह याद दिलाता है कि मीडिया समाज की चेतना है। यह हमें अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा करने के लिए स्वतंत्रता से विचार रखने की प्रेरणा देता है। भारतीय संविधान में निहित मौलिक अधिकार वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से ही प्रेस का जन्म हुआ है। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रेस अपनी सूचनाओं के माध्यम से सरकारी नीतियों को जनसंपर्क के रूप में आगे बढ़ाता है और लोगों के विकास में अहम भूमिका निभाता है। प्रत्येक व्यक्ति के पास सूचनाओं का होना उसको ताकत देना है क्योंकि दैनिक जीवन में सूचनाओं से ही आगे बढ़ा जाता हैं। इस अवसर पर संस्थान के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आबिद अली ने मंच संचालन किया। उन्होने कहा कि हरियाणा देश के इकलौता राज्य है जिसने सर्वप्रथम पत्रकारों के कल्याण के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं उनकी निस्वार्थ सेवाओं को देखते हुए चलाई है। इस अवसर पर असिस्टेंट प्रो. डॉ. अभिनव, डॉ. रोशन मस्ताना, डॉ. प्रदीप, के साथ संस्थान के विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

मीडिया चौपाल पर पॉडकास्ट और रील के माध्यम से गीता का प्रचार–प्रसार

केयू का जनसंचार संस्थान निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका

कुवि परिसर। युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग द्वारा द्वारा अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती के अवसर पर हरियाणा पवेलियन में जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा पहली बार लगाई मीडिया चौपाल पर हरियाणा की संस्कृति, पवित्र गीता का संदेश पर बातचीत और पॉडकास्ट एवं रील के माध्यम से प्रचार–प्रसार हो रहा है।

इस अवसर पर जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने कहा कि जैसे–जैसे अंतराष्ट्रीय गीता जयंती की अथाह सूचनाएं तमाम मीडिया माध्यमों से देश–प्रदेश वासियों के पास पहुंच रही है तो उसी प्रकार से मीडिया चौपाल पर हरियाणी संस्कृति की बातचीत और पॉडकास्ट पर लोगों की अपार भीड़ उमड रही है।

उन्होंने बताया कि मीडिया चौपाल पर गत शुक्रवार को कुरुक्षेत्र की सतीश बीन पार्टी, मुसाफिर मीडिया से संदीप अरोड़ा, एम.एन.सिंह, पूर्व प्रिंसीपल, सीनियर सैकेडरी स्कूल कैंपस,, लोकल कविता प्रेमियों से बातचीत और विदेशी मेहमान मारवा मिश्र गणराज्य (इजिप्ट) से बातचीत बेहद सफल रही है। प्रो. महासिंह पूनिया ने कहा कि हरियाणा पवेलियन में पहली बार लगी मीडिया चौपाल पर हरियाणवी संस्कृति के लोक कलाकारों, कवियों, प्रशासनिक अधिकारियों, राजनेताओं, गुरु–संतों, बाबाओं, विद्यार्थियों और आम लोगों के मनोभावों को पॉडकास्ट और रील के माध्यम से गीता के संदेश का प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। इसके लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का जनसंचार संस्थान अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन कर रहा है।

उन्होंने कहा कि जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के स्टाफ सदस्यों डॉ. आबिद अली, डॉ. अभिनव, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. सदीश राणा, नरेश कुमार और विद्यार्थी मानसी, ज्योति, अंजली, अंकिता, वीनू, अरुण, गजेंद्र, लक्ष्य मीडिया चौपाल पर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

'हरियाणा पवेलियन' युवाओं में जागृत कर रहा है एंटरप्रेन्योरशिप की नई लहर

कुवि परिसर। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा मार्गदर्शन में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में तैयार किया गया हरियाणा पवेलियन युवाओं में उद्यमिता व एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के साथ–साथ हरियाणा की समृद्ध संस्कृति संरक्षण का संदेश दे रहा है। पवेलियन में जिस तरह से विविध नवाचार, तकनीकी मॉडल और स्टार्टअप आइडिया प्रदर्शित किए जा रहे हैं, वह युवाओं को अपने करियर को नए आयाम देने के लिए प्रेरित कर रहा है।

हरियाणा पवेलियन के संयोजक एवं युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक प्रोफेसर विवेक चावला ने बताया कि पवेलियन में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा तैयार किए गए इनोवेशन मॉडल, तकनीकी प्रयोग, रिसर्च–आधारित प्रोजेक्ट और स्टार्टअप प्रोडक्ट्स विशेष आकर्षण का विषय बने हुए हैं। विश्वविद्यालय के छात्र और शोधार्थी अपने–अपने क्षेत्र से जुड़े इनोवेटिव मॉडल के माध्यम से यह दिखा रहे हैं कि किस प्रकार विज्ञान, तकनीक और रचनात्मकता मिलकर समाज को नई दिशा दे सकते हैं। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि इस पवेलियन में हरियाणा संस्कृति से जुड़ी वस्तुओं के स्टॉल लगाये गए है जिनमें करोसिया, फुलझड़ी कला, गुड्डे–गुड़िया कला, पीढ़ा– बुणाई, कला, उंखल–मूसल कला, हरियाणवी आभूषण, मनियारी संग्रह,पीतल व तांबे के बर्तन, खाट–बुणाई कला, पगड़ी बंधवाओं फोटो खिचंवाओं, खटौले बुणाई कला, कच्चे मिट्टी के बर्तन, ढिबले, बौउये, और हरियाणवी व्यंजन सम्मिलित हैं। वही हरियाणा पवेलियन में जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान और फाइन आर्ट, गृह विज्ञान के विद्यार्थियों की तरफ आत्मनिर्भर बनने के उद्देश्य से विभिन्न स्टॉल लगाये गये है। दूसरी तरफ स्वावलंबी भारत अभियान के तहत स्वदेशी जागरण मंच, पेयबीनो एप्प स्टॉल लगाया है हरियाणा पवेलियन में पहली बार मीडिया चौपाल का मंच किया गया है जिसका सफल संचालन कुवि के जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के शिक्षक, स्टॉफ और विद्यार्थी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा और उनकी धर्मपत्नी डॉ. ममता सचदेवा ने हरियाणा पवेलियन में पहली बार लगाई गई मीडिया चौपाल पर रू–ब–रू होते हुए समस्त हरियाणा पवेलियन टीम को बधाई दी है।

कुवि के सेवानिवृत्त शिक्षकों व कर्मचारियों को प्रशासन की ओर से विदाई पार्टी

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में 4 शिक्षकों व दो गैर–शिक्षक कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति अवसर पर प्रशासन की ओर से विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि विश्वविद्यालय के उत्थान में शिक्षकों व कर्मचारियों की अहम भूमिका होती है। शिक्षक व कर्मचारी शिक्षण संस्थान का मजबूत आधार होते हैं जो संस्थान के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों व कर्मचारियों से औपचारिक बातचीत की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षकों व कर्मचारियों के हितों के लिए सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण रखेगा तथा भविष्य में भी सेवानिवृत्त शिक्षक व कर्मचारियों के अनुभव विश्वविद्यालय के काम आएंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय में बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए सभी के सुझाव लिए व उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

कुवि कुलसचिव लेफ्टिनेंट डॉ. वीरेन्द्र पाल ने भी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इस मौके पर सेवानिवृत्त शिक्षकों व कर्मचारियों ने अपने विचार व अनुभव साझा किए। सभी ने भविष्य में भी जरूरत पड़ने पर विश्वविद्यालय के लिए हर समय तैयार रहने का आश्वासन दिया व इस विदाई पार्टी के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार प्रकट किया। सेवानिवृत्त होने वालों में कामर्स विभाग की प्रोफेसर नीलम रानी, इंस्ट्यिूट ऑफ इंटिग्रेटिड एंड आनर्स स्टडीज के प्रोफेसर अमृत सिंह, प्रोफेसर संतोष दहिया व एसोसिएट प्रोफेसर नवोदिता, बायो–कैमिस्ट्री विभाग से स्टोर कीपर महिपाल तथा संचालन शाखा से माली नाथू राम शामिल हैं।

इस अवसर पर कुलसचिव लेफ्टिनेंट डॉ. वीरेन्द्र पाल, प्रो. महावीर नरवाल, प्रो. अश्विनी कुश, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, डॉ. जितेन्द्र जांगड़ा, कुंटिया महासचिव रविंद्र तोमर, अजमेर सिंह, सहित सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिवारजन मौजूद थे।

मीडिया संस्थान की फोटोग्राफी प्रतियोगिता में विजेताओं को नकद पुरस्कार, छात्रों को स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहन।

कुवि परिसर। जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा 19 अगस्त 2025 को आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं को गुरुवार को नगद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में और ऊंचाइयां हासिल करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रतियोगिता में फाइन आर्ट विभाग की संजना ने अपनी उत्कृष्ट कला दृष्टि के दम पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जियोग्राफी विभाग की अंजलि को द्वितीय स्थान तथा फाइन आर्ट विभाग के मोहित को तृतीय स्थान हासिल हुआ। विजेताओं को क्रमशः ₹3100, ₹2100 तथा ₹1100 की नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने पर फाइन आर्ट विभाग के सागर तथा जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के लक्ष्य बंसल को ₹500 की सांत्वना राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी तथा कहा कि फोटोग्राफी आज के समय का तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है, जिसमें स्टार्टअप और करियर दोनों की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि वे अपनी रचनात्मकता को स्टार्टअप मॉडल में बदलकर रोजगार और उद्यमिता के नए आयाम स्थापित कर सकते हैं। डॉ. महासिंह पूनिया ने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच देने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस अवसर पर डॉ. रोशन मस्ताना, डॉ. तपेश किरण सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

मीडिया संस्थान व ऑफसेट प्रिंटर्स पंजाब के बीच हुआ एमओयू

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान व ऑफसेट प्रिंटर्स संगठन पंजाब के बीच सोमवार को कमेटी रूम में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए । इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों के साथ एमओयू करना राष्ट्रीय शिक्षा नीति को गति देना है, इस एमओयू के रास्ते हमारे विश्वविद्यालय के छात्र औद्योगिक इकाइयों में इंडस्ट्रियल प्रशिक्षण लेंगे व छात्रों को प्रैक्टिकल ज्ञान में बढ़ावा मिलेगा। प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बताया कि यह एमओयू न केवल छात्रों को रोजगार प्रदान करने में सहयोगी होगी बल्कि जो छात्र अपना प्रिंटिंग पैकेजिंग के क्षेत्र में स्टार्टअप लगाना चाहते हैं, उन छात्रों की स्टार्टअप लगाने में भी भरपूर मदद करेंगी। इस एमओयू पर विश्वविद्यालय की तरफ से आधिकारिक

रूप में कुलसचिव लेफ्टिनेंट डॉ. वीरेन्द्र पाल व ऑफसेट प्रिंटर संगठन की तरफ से जनरल सेक्रेटरी प्रोफेसर कमल चोपड़ा ने हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम में ऑफसेट प्रिंटर संगठन के जनरल सेक्रेटरी प्रो.कमल चोपड़ा ने बताया कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग व पैकेजिंग के छात्रों के लिए उनके संगठन की सभी औद्योगिक इकाइयों के दरवाजे हमेशा के लिए खुले हैं और वह छात्रों की नौकरियां व औद्योगिक प्रशिक्षण करवाने में हर उचित सहायता करेंगे। प्रो चोपड़ा ने यह भी बताया कि उनकी एसोसिएशन बीजिंग इंस्टीट्यूट आफ ग्राफिक कम्युनिकेशन के साथ मिलकर भारत के कई प्रिंटिंग संस्थानों के साथ एमओयू साइन कर रही है और प्रो चोपड़ा ने कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के प्रिंटिंग ग्राफिक्स और पैकेजिंग के छात्रों के लिए बीजिंग इंस्टिट्यूट ऑफ ग्राफिक्स कम्युनिकेशन चीन के साथ मिलकर काम करने का प्रस्ताव भी रखा। ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के अध्यक्ष अश्विनी गुप्ता इस एमओयू में साक्षी के रूप में उपस्थित रहे व उन्होंने भारतीय प्रिंटिंग व पैकेजिंग उद्योगों के अंतरराष्ट्रीय रिश्तों पर अपना वक्तव्य रखा । मीडिया संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि इस एमओयू के रास्ते हमारे संस्थान के लिए बीजिंग इंस्टिट्यूट ऑफ ग्राफिक्स कम्युनिकेशन के साथ एक अंतरराष्ट्रीय एमओयू करने का रास्ता खुल गया है और स्नातक डिग्री के अंतिम वर्ष के छात्र जिनका एनईपी 2020 के अनुसार दो महीने का औद्योगिक प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होता है उनके लिए इस अंतरराष्ट्रीय एमओयू के रास्ते से प्रावधान तैयार किए जाएंगे।

एमओयू के कोआर्डिनेटर कंवरदीप शर्मा ने मंच का संचालन किया व इस एमओयू की रूप रेखा को प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, डीन ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट प्रो. महेंद्र चांद, डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. संजीव अग्रवाल, मीडिया संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, डॉ. मधुदीप, डॉ आबिद, डॉ रोमा व मीडिया संस्थान के अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

आईआईएचएस में 'सेल्फ डिफेंस एवं योग' पर एक दिवसीय सेमिनार, छात्र–छात्राओं ने दिखाया उत्साह

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में इंस्टिट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड एंड ऑनर्स स्टडीज, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के फिजिकल एजुकेशन विभाग द्वारा "सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग और स्वस्थ जीवन में योग का महत्व" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान की प्राचार्या प्रो. रीटा ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्म–सुरक्षा और योग जैसे आवश्यक विषयों के प्रति जागरूक होने और इनका नियमित अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मरक्षा कौशल और योगाभ्यास आज के समय की बुनियादी आवश्यकता हैं, जो व्यक्तित्व में आत्मविश्वास और अनुशासन का संचार करते हैं। उन्होंने बताया कि इन क्षेत्रों में करियर के असीमित अवसर उपलब्ध हैं, जिन्हें युवा अपनाकर उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।सेल्फ डिफेंस सत्र के दौरान आमंत्रित ट्रेनिंग कोच राजेश शर्मा ने विभिन्न आत्मरक्षा तकनीकों का प्रदर्शन किया एवं विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल प्रशिक्षण भी दिया। उन्होंने कहा कि सही समय पर सही तकनीक का प्रयोग व्यक्ति को किसी भी आकस्मिक स्थिति में स्वयं की रक्षा करने में समर्थ बनाता है। योग एवं मेंटल हेल्थ सत्र में विभागाध्यक्ष प्रो. संतोष दहिया ने वर्तमान समय में बढ़ते तनाव, अवसाद और अत्याचारों के बीच योग, प्राणायाम और मेडिटेशन की अनिवार्यता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में बढ़ती आत्महत्या की घटनाएँ बेहद चिंताजनक हैं, ऐसे में योग मानसिक संतुलन, सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास प्रदान करने का प्रभावी माध्यम है। प्राचार्या प्रो. रीता ने विद्यार्थियों को आत्मरक्षा एवं योग कौशल में करियर संभावनाओं के बारे में भी प्रेरक जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजित प्रतियोगिताओं में पुशअप्स श्रेणी में रोहित देशवाल प्रथम, नवीन द्वितीय और नरेन शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। वहीं सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता में सृष्टि प्रथम, भिक्षु द्वितीय और छवि तथा हिमानी संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं। दोनों वर्गों में टग ऑफ वार प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें सैकड़ों विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। सेमिनार एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध हुआ तथा आत्मरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और योग से जुड़े महत्वपूर्ण संदेशों को सफलतापूर्वक संप्रेषित किया।

हरियाणा पवेलियन में पहुंचे कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा

कुवि परिसर। अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग द्व ारा लगाया गया हरियाणा पवेलियन युवाओं को आत्मनिर्भर भारत बनाने का संदेश दे रहा है, ये कहना है कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा का जो पवेलियन में पहली बार लगाई मीडिया चौपाल पर दर्शकों से रू–ब–रू हो रहे थे। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि इस बार हरियाणा पवेलियन की छठा बेहद उम्दा है जिसमें विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के अंतर्गत अनेक विभागों ने अपने स्टॉल लगाये है इन स्टॉलों पर विभागों के शिक्षक और विद्यार्थी अपनी रचना कौशल को आगे बढ़ा रहे हैं जो बहुत ही खुशी की बात है।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के इस तरह स्टॉल लगाने उनको भविष्य में उद्यमी बनाने के सपने का साकार करेगा। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र द्वारा सर्वप्रथम अपनाई राष्ट्रीय शिक्षा–नीति–2020 भी यही कहती है कि विद्यार्थी स्वरोजगार

की तरफ ज्यादा से ज्यादा आगे बढ़े जिससे विकसित भारत–2047 का सपना पूर्ण हो सके।

कुलपति प्रोफसर सोमनाथ सचेदवा ने मीडिया चौपाल पर कहा कि युवाओं को हरियाणा की संस्कृति को इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से जानने और समझने का प्रयास करना होगा ताकि वे अपनी ऐतिहासिक सभ्यता और संस्कृति से और अधिक जुड़ सके। उन्होंने देश–प्रदेश वासियों को अंतराष्ट्रीय गीता जयंती में पहुंचने का आह्वान किया और कहा कि आप अपने समस्त कार्यो को देखे, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद ले। कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र द्वारा लगाया गया हरियाणा पवेलियन संस्कृति संरक्षण के साथ ही विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने की ओर दृढ़ संकल्पित है। इस अवसर पर हरियाणा पवेलियन के संयोजक युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के प्रोफेसर विवेक चावला, मीडिया चौपाल का सफल संचालन कर रहे जनसंचार विभाग के डॉ. सतीश राणा, नरेश कुमार और विद्यार्थियों को बधाई दी। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष तेजेन्द्र सिंह गोल्डी, पशुधन बोर्ड के चेयरमैन ध र्मवीर मिर्जापुर, देवी दयाल शर्मा, डॉ. आबिद अली, डॉ. अभिनव , डॉ. प्रदीप राय, डॉ. सतीश राणा सहित विद्यार्थी मौजूद रहे।

हर समस्या का समाधान है गीताः स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज : अंतरराष्ट्रीय गीता सम्मेलन 2025

कुवि परिसर। विश्व भर में जितनी भी समस्याएं हैं उन सबका समाधान गीता में है। हर प्रश्न का उत्तर गीता में निहित है। जरूरत है व्यक्ति का गीता का अनुसरण करे। भगवान् श्रीकृष्ण ने महाभारत के युद्ध से पूर्व गीता का जो अमर संदेश दिया था वह अर्जुन के लिए नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए था। यह विचार स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने मंगलवार को सीनेट हाल में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, विदेश मंत्रालय और कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में श्रीमद्भगवद्गीतोक्त स्वधर्मः कर्तव्यनिष्ठा, शांति, सद्भावना एवं स्वदेशी की प्रेरणा विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता सम्मेलन 2025 के दूसरे दिन गोलमेज सम्मेलन में व्यक्त किए। इससे पहले स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज, कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, विदेश मंत्रालय सचिव डॉ. नीना मल्होत्रा, सम्मेलन निदेशक प्रो. तेजेन्द्र शर्मा, प्रो. मंजूला चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सम्मेलन के दूसरे दिन सीनेट हाल में आयोजित गोलमेज सम्मेलन में अमेरिका, हंगरी, जापान, थाईलैंड, चीन, स्पेन, बेलारूस, फिजी, नेपाल, मलेशिया, कजाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों के विद्वानों ने श्रीमद्भगवद्गीता से सीखें ज्ञान और अपने अनुभवों को सांझा किया।

स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा कि गीता का उपदेश 5163 वर्ष पूर्व हुआ। जब भगवान कृष्ण ने अर्जुन को संदेश दिया। यह संदेश केवल अर्जुन के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए था। जो समस्या अर्जुन के साथ थी वही समस्या आज पूरा विश्व महसूस कर रहा है। गीता सभी समस्याओं का समाधान है। चाहे वह पर्यावरणीय हो या विचारों का प्रदूषण हो। जो देता है वह देव है। जहां लेने की सोच है जो गीता के आसुरी सम्पदा की ओर ले जाती है। देवता दे रहे हैं। हमारे विचार जब स्वयं तक सीमित हो जाते है तो वहां से विचार प्रदूषित हो जाते है। प्रकृति से हम केवल लेना चाहते हैं देना नहीं चाहते। गीता हर चीज का सही उपयोग सिखाती है। यदि डिजिटल का सही उपयोग होगा तो एआई भी एक्चुअल इंटेलिजेंस बन जाएगी। गीता पाठ के साथ–साथ हर प्रश्न व समस्या का समाधान गीता है। गीता का असली माखन तो सम्मेलन के दौरान आयोजित आंतरिक सम्मेलन से ही निकलता है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि गीता आज भी नैतिक शासन, सतत विकास और वैश्विक शांति की प्रेरणा देती है। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि गीता के संदेशों को व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक जीवन में उतारें। विदेश मंत्रालय सचिव डॉ. नीना मल्होत्रा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के आयोजन में विदेश मंत्रालय हमेशा एक सहयोगी भूमिका में रहा है। इस बार एक कदम आगे बढ़ाते हुए कुरुक्षेत्र में होने वाले उत्सव के लिए 40 देशों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास है। इसी के साथ 25 देशों के स्कालर गीता सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। उन्होंने कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा का सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र की निदेशक प्रो. मंजुला चौधरी ने भिन्न–भिन्न विद्वानों व गीता मनीषियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों को विश्व भर से आए शोधार्थियों व विद्वानों के आगे रखा और सबकी जिज्ञासा को शांत किया। सम्मेलन निदेशक प्रो. तेजेन्द्र शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मंच का संचालन प्रो. वनिता ढींगरा ने किया। अंत में राष्ट्र गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रो. दिनेश कुमार, सम्मेलन निदेशक प्रो. तेजेन्द्र शर्मा, अम्बेडकर केन्द्र के निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह, प्रो. आरके देसवाल, प्रो. शुचिस्मिता, लोक सम्पर्क विभाग की उप–निदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा, डॉ. कुशविन्द्र कौर, डॉ. सुशील टाया सहित गणमान्य लोग मौजूद थे।

वैदिक संस्कृति के हिसाब से चलेः पंकज मौर्य

कुवि परिसर। बहरीन से आए विद्वान पंकज दास कहा कि वैदिक संस्कृति के हिसाब से चलने से सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। शास्त्रों में बताया गया है कि हम धरती के पुत्र हैं। पांच यज्ञों का विशेष महत्व है जिसमें मनुष्य यज्ञ, पितृ यज्ञ, भूत यज्ञ, देव यज्ञ व ऋषि यज्ञ सबसे महत्वपूर्ण है। हमें सबके प्रति सम्मान की भावना रखनी चाहिए। जब हम नदी, पहाड़, सब चीजों का सम्मान करेंगे तब वह हमारा सम्मान करेंगे। पौलेंड के विद्वान स्करबिंग ने कहा कि पृथ्वी को माता के रूप में सम्मान देना चाहिए। पूरी पृथ्वी हमारी भाई बंधु है। हम पूरी पृथ्वी को पकड़ना चाहते हैं यही सबसे बड़ी दिक्कत है। हमें विनम्रता के साथ काम करना चाहिए। प्रकृति को कम से कम नुकसाना पंहुचाना चाहिए। हमें घमंड नहीं करना चाहिए। हमें पृथ्वी पर नियंत्रण करने की भावना को छोड़ना चाहिए। रूस से डॉ. मार्सिस गजुन्स ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर अत्यधिक निर्भरता सीमित करने और मानवीय निर्णय क्षमता को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया। सत्या कालरा ने आहार–विहार में संतुलन और मानवीय मूल्यों के साथ जिम्मेदार एआई उपयोग की बात कही। ऑस्ट्रेलिया के मार्क एलन ने समग्र विकास हेतु आमने–सामने शिक्षण की महत्ता बताई। फिजी के स्वामी संयुक्तानंद ने पितृ–मातृ पूजा और पूर्वजों के सम्मान पर जोर दिया। हंगरी के जोल्टन होस्जू ने ध्यान को अंतरशांति और वैश्विक सद्भाव का माध्यम बताया। पर्यावरणीय मुद्दों पर जेएनयू के प्रो. राव ने गीता के निष्काम कर्म सिद्धांत को जलवायु दायित्व से जोड़ा। पोलैंड की अन्ना रूचिंस्का ने पर्यावरण संरक्षण हेतु हानिकारक रसायनों के उपयोग में कमी का आग्रह किया। इथियोपिया के डेनियल ह्यूम ने आध्यात्मिक जीवन को सतत विकास से जोड़ा।

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष ने किया 'धरोहर' संग्रहालय का अवलोकन

कुवि परिसर। हरियाणा के राज्यपाल व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. अशीम कुमार घोष ने शनिवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय परिसर स्थित हरियाणा संग्रहालय 'धरोहर' का अवलोकन किया। राज्यपाल अपनी धर्मपत्नी के साथ संग्रहालय पहुँचे, जहाँ उन्होंने हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, ग्रामीण जीवन शैली, कृषि विरासत, लोक शिल्प, वेशभूषा और ऐतिहासिक धरोहरों को व्यापक रूप से देखा। राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष ने धरोहर की विविध दीर्घाओं का अवलोकन करते हुए कहा कि वे यहाँ प्रदर्शित हरियाणा की समृद्ध संस्कृति, लोक परंपराओं और जीवंत विरासत को देखकर अभिभूत हुए। उन्होंने कहा कि "धरोहर में हमारी सांस्कृतिक जड़ों की झलक अत्यंत प्रभावशाली और भावनात्मक रूप से जोड़ने वाली है।" संग्रहालय का अवलोकन करते हुए राज्यपाल कई स्थानों

पर रुके, जहाँ उन्होंने प्रदर्शित वस्तुओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि "धरोहर में हरियाणा का इतिहास अपनी संपूर्ण गरिमा के साथ जीवंत रूप में उपस्थित है। यह न केवल संस्कृति का संवाहक है, बल्कि युवाओं को अपनी मिट्टी और मूल्यों से जोड़ने वाला एक प्रभावशाली मंच भी है।" राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष ने यह कहा कि धरोहर जैसे संस्थान किसी प्रदेश की अस्मिता को सुरक्षित रखने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। यहाँ पारंपरिक शिल्प, लोक मान्यताओं और ग्रामीण जीवन की प्रस्तुति अत्यंत प्रभावशाली और शिक्षाप्रद है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा धरोहर को आधुनिक तकनीक और अनुसंधान आधारित संरक्षण पद्धतियों से सुसज्जित किए जाने के प्रयासों की भी प्रशंसा की। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पहुँचने पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने राज्यपाल डॉ. घोष और उनकी धर्मपत्नी का गर्मजोशी से स्वागत किया। कुलपति ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुसंधान गतिविधियों, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, तथा सांस्कृतिक पहलों के बारे में राज्यपाल को जानकारी दी। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक प्रो. विवेक चावला, डॉ. सलोनी दीवान, मुख्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. आनंद कुमार और डॉ. शुचिस्मिता भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने राज्यपाल को धरोहर संग्रहालय की स्थापना, उद्देश्य, विस्तार, प्रमुख संग्रह, और भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया।

प्रो. महासिंह पूनिया ने गीता 700 डेज चौलेंज पहल के संचालक को किया सम्मानित

कुवि परिसर। गीता 700 डेज चौलेंज पहल के संचालक आशीष दर्शन कौशिक द्वारा गीता के प्रचार–प्रसार के लिए निरंतर और प्रेरणादायक प्रयास किए जा रहे हैं। वह कुरुक्षेत्र से कर्मक्षेत्र तक संगीतमयी गीता थीम को लेकर युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ने के लिए यह कार्य कर रहे हैं। श्री कौशिक गीता के ज्ञान को आधुनिक समय के अनुरूप सरल भाषा में जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से कार्यरत हैं। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के मंच पर भी वे अपनी इस विशेष पहल को प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग गीता अध्ययन के प्रति जागरूक हों और

इस आध्यात्मिक ग्रंथ से प्रेरणा प्राप्त कर सकें। सोमवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पहुंचने पर लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने उनके इस समाजोपयोगी कार्य की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया। प्रो. पूनिया ने कहा कि गीता जैसे सार्वभौमिक ग्रंथ का संदेश सरल भाषा और डिजिटल माध्यमों के जरिए युवाओं तक पहुंचाना अत्यंत सराहनीय पहल है, जिससे नई पीढ़ी में भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के प्रति रुचि बढ़ रही है।

आशीष दर्शन कौशिक ने जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान 30 मार्च 2025 को आरंभ किया गया था। उन्होंने संकल्प लिया है कि प्रतिदिन गीता के एक श्लोक को उसके सरल, सहज और आधुनिक अर्थ सहित समाज के सामने रखा जाए, ताकि हर व्यक्ति गीता के गहन संदेश को आसानी से समझ सके। वे प्रतिदिन एक श्लोक अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म यूट्यूब, इंस्टाग्राम और फेसबुक पर यूथ एक्सिलेंसएडीके नाम से साझा कर रहे हैं, जिन्हें हजारों लोग नियमित रूप से देख और सीख रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने न केवल लोगों में गीता अध्ययन की रुचि बढ़ाई है, बल्कि कई युवाओं को जीवन की सकारात्मक दिशा भी प्रदान की है। प्रतिदिन का यह अध्ययन लोगों को न केवल मानसिक शांति देता है, बल्कि जीवन की चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा भी प्रदान करता है। इस अवसर पर इस थीम के प्रेस प्रवक्ता विनय वर्मा और टेक्निकल टीम के विजय वर्मा मौजूद रहे।

केयू में वूमेन इन स्टेम (विस) फोरम कार्यक्रम में उत्कृष्ट महिला वैज्ञानिकों व शोधार्थियों का सम्मान

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में वूमेन इन स्टेम फोरम (विस) द्वारा शुक्रवार को सीनेट हॉल में अवार्ड समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी तथा गणित के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिष्ठित महिला संकाय सदस्यों और शोधार्थियों को सम्मानित किया। इससे पहले दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग एवं गणित के क्षेत्र में महिलाओं का बढ़ता योगदान समाज के लिए प्रेरणादायी है। विज्ञान में महिलाओं का योगदान सदैव असाधारण रहा है और वैश्विक वैज्ञानिक प्रगति में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों का दायित्व है कि वे ऐसा वातावरण तैयार करें जहाँ महिलाएं विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हों और निर्भीक होकर नवाचार कर सकें। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा

ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने हमेशा से शोध, नवाचार और अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने का काम किया है। वूमेन इन स्टेम फोरम के माध्यम से महिला संकाय सदस्यों और शोधार्थियों को मंच प्रदान करना इसी दिशा में उठाया हुआ एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने संसाधनों, शोध ा–अवसरों, मार्गदर्शन और सम्मान के पर्याप्त प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। कुलपति ने उपस्थित सभी लोगों से आह्वान किया कि वे महिला वैज्ञानिकों को उनके हर कदम पर प्रोत्साहन और दिशा प्रदान करें। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से स्वदेशी के उपयोग पर भी जोर दिया।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में महिलाओं का निरंतर बढ़ता योगदान न केवल विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह पूरे समाज को नई दिशा देने वाला सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि महिला वैज्ञानिकों और शोधार्थियों ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट शोध क्षमता के दम पर यह सिद्ध किया है कि प्रतिभा किसी एक वर्ग, क्षेत्र या लिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि अवसर और प्रोत्साहन मिलने पर महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने संदेश दिया कि महिला शोध ाकर्ताओं की भागीदारी जितनी मजबूत होगी, देश का वैज्ञानिक और तकनीकी भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा। विश्वविद्यालय उनकी हर संभव सहायता और प्रोत्साहन के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. अनीता भटनागर ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने स्टेम क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी से जुड़े विभिन्न आँकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि चुनौतियों के बावजूद अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाली नीतियों, छात्रवृत्तियों, मेंटरशिप और नेटवर्किंग कार्यक्रमों ने महिलाओं के लिए स्टेम में नए मार्ग खोले हैं। उन्होंने कहा कि विविधता वैज्ञानिक नवाचार को आगे बढ़ाने की शक्ति रखती है और जैसे–जैसे अवसर बढ़ रहे हैं, अधिक महिलाएँ नेतृत्व की भूमिकाओं में आगे आ रही हैं। कार्यक्रम में तीन महिला संकाय सदस्यों, तीन शोध ार्थियों और एक पोस्ट–डॉक्टोरल फेलो को विस फोरम अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। विस फैकल्टी में उच्चतम प्रभावशाली शोध–पत्र के लिए डॉ. नीरा राघव, रसायन विभाग, सर्वाधिक साइटेशन के लिए डॉ. अनीता यादव, बायोटेक्नोलॉजी विभाग तथा सर्वाधिक पेटेंट के लिए डॉ. परिणम अनुराधा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, यूआईईटी को सम्मानित किया गया। शोधार्थियों के लिए निर्धारित श्रेणियों में कैटेगरी–5 विस फोरम अवार्ड फॉर बेस्ट फीमेल रिसर्च स्कॉलर में रसायन विज्ञान की चंचल वशिष्ठ, जूलॉजी विभाग की अंशु, तथा इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी क्षेत्र से प्रभजोत कौर को सम्मान प्रदान किया गया। वहीं कैटेगरी–6 बेस्ट पोस्ट डॉक्टोरल फेलो में फिजिक्स विभाग की डॉ. दिव्या गुप्ता को प्रदान किया गया कार्यक्रम का संचालन यूआईईटी की डॉ.उर्मिला ने किया तथा कंप्यूटर साइंस विभाग की डॉ. मोनिका ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

इस अवसर पर डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. संजीव अग्रवाल, डीन साइंसेज प्रो. विनोद, डॉ. सुमन चौहान, प्रो. जी. पी. दुबे, प्रो. सुमन ढांडा, प्रो. सुनीता दलाल, प्रो. राजेश्वरी जागलान, प्रो. ओमवीर, डॉ. विनिता भांकर, डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज, डॉ. कंवल गर्ग, डॉ. मोनिका, डॉ. दीप्ति, डॉ. पूनम रानी, डॉ. ललिता सहित कई गणमान्य व्यक्ति समारोह में उपस्थित रहे।

आईआईएचएस के विद्यार्थी पुन्य मल्होत्रा ने स्टेट व नेशनल स्तर पर जीता सिल्वर मेडल

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड एंड ऑनर्स स्टडीज (आईआईएचएस) के शारीरिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थी पुन्य मल्होत्रा ने खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दो महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ अपने नाम की हैं। शारीरिक शिक्षा विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर संतोष दहिया ने जानकारी देते हुए बताया कि बीसीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थी पुन्य मल्होत्रा ने स्टेट आइस हॉकी प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल हासिल किया है। इसके साथ ही उन्होंने नेशनल गेम्स में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया है।इस उपलब्धि पर संस्थान में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. रीटा और प्रो. परमेश कुमार उपस्थित रहे और उन्होंने पुन्य की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विधि संस्थान में संविधान दिवस कार्यक्रम का हुआ सफल समापन

कुवि परिसर। विधि संस्थान द्वारा 19 नवंबर से 26 नवंबर तक आयोजित साप्ताहिक "संविधान जागरूकता मुहिम" का सफल समापन हुआ। इस मुहिम के तहत विद्यार्थियों में संविधान की भावना, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

वाद–विवाद प्रतियोगिता में गुरबिंद ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

कुवि परिसर। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला की मासिक कार्ययोजना तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कुरुक्षेत्र के निर्देशानुसार, विधि विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा शुक्रवार को संविधान और राजनीति विषय पर वाद–विवाद (डिक्लेमेशन) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान गुरबिंद ने प्राप्त किया, जबकि द्वितीय और तृतीय स्थान क्रमशः अंतिम वर्ष की नंदिनी और सैजल ने प्राप्त किए।

केयू विधि संस्थान के विद्यार्थियों ने साइबर क्राइम को लेकर लघु नाटक की दी प्रस्तुति

कुवि परिसर। विधि संस्थान द्वारा एक साप्ताहिक संविधान जागरूकता मुहिम के तहत दूसरे दिन अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में साइबर क्राइम विषय पर एक लघु नाटक प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीतिका भारद्वाज ने कहा कि आज समाज में साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए लोगों को इससे बचाव के लिए जागरूक करना आवश्यक है।

कैंपस डायरी

केयू विधि विभाग में संविधान एवं राजनीति विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

कुवि परिसर। केयू विधि विभाग में हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला की मासिक कार्ययोजना तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कुरुक्षेत्र के निर्देशानुसार, संविधान एवं राजनीति विषय पर डॉ. प्रीति भारद्वाज द्वारा, विधि विभाग की अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) प्रीति जैन के कुशल निर्देशन में किया गया। इस प्रतियोगिता में एलएल.बी. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों से बनी 13 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। फाइनल राउंड में, टीम एच में शामिल आकाश और शक्ति (अंतिम वर्ष) ने प्रथम जबकि ई टीम में शामिल मयंक और राघव (अंतिम वर्ष) उपविजेता रहे।

कुवि के 7 शोधार्थी पीएचडी की उपाधि के पात्र घोषित

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शोध समिति और परीक्षकों के बोर्ड की अनुशंसा पर 7 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि के लिए पात्र घोषित किया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि पीएचडी डिग्री के लिए पात्र घोषित किए गए शोधार्थियों में अंग्रेजी विभाग से पिंकी यादव व रचना, हिन्दी विभाग से रेनू, सुषमा रानी व नीरू रानी, मैनेजमेंट से पूनम तथा विधि से सिकंदर शामिल हैं।

केयू स्वास्थ्य केन्द्र में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का 350 से ज्यादा कर्मचारियों ने उठाया लाभ।

कुवि परिसर। केयू स्वास्थ्य केन्द्र में वर्ल्ड डायबिटीज डे पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर जांच शिविर में पहुंचे मेदांता हॉस्पिटल से डॉक्टर और स्टाफ ने 350 से ज्यादा लोगों के स्वास्थ्य जांच की। नियमित स्वास्थ्य जांच से न केवल बीमारियों की पहचान होती है, बल्कि यह जीवनशैली में सुधार करने और समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी मदद करती है।

बाल दिवस पर विशेष कैम्प में छात्रों का हुआ आधार अपडेट

कुवि परिसर। यूनिवर्सिटी सीनियर सैकेंडरी मॉडल स्कूल में बाल दिवस पर आधार कार्ड अपडेट का एक विशेष कैम्प डाक विभाग के सहयोग आयोजित किया गया। कैम्प का उद्घाटन कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में स्थित डाक विभाग के पोस्ट मास्टर विकास गौड व स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. सुखविन्द्र सिंह ने किया। बच्चों के साथ–साथ उनके अभिभावकों का भी आधार अपडेट इस विशेष कैम्प में किया जा रहा है।

केस मास्टर्स प्रतियोगिता 2025 में छात्रों ने दिखाई रणनीतिक क्षमता, यूएसएम में हुआ शानदार आयोजन

कुवि परिसर। यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा केस मास्टर्स प्रतियोगिता 2025 का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य प्रबंधन के छात्रों की रणनीतिक सोच, विश्लेषणात्मक क्षमता और रचनात्मकता को परखना था। प्रतिभागी टीमों को मामलों का पहले से आबंटन किया गया था, जिससे प्रतिभागियों को स्थितियों का गहराई से अध्ययन करने और अपनी मौलिक रणनीतियाँ तैयार करने का अवसर मिला। कार्यक्रम के दिन, टीमों ने संरचित केस विश्लेषण, रोल–प्ले और औपचारिक प्रस्तुति के माध्यम से अपने समाधान प्रस्तुत किए, जिससे प्रतियोगिता और भी प्रभावशाली और आकर्षक बनी।

कुवि में बाल दिवस पर आर्ट ऑफ लिविंग कार्यशाला का भव्य प्रमाणपत्र वितरण समारोह

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में बाल दिवस के उपलक्ष्य में द आर्ट ऑफ लिविंग के सहयोग से फैकल्टी लॉन्ज में आर्ट ऑफ लिविंग कार्यशाला के प्रमाणपत्र वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 120 से अधिक विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक मजबूती, आत्म–जागरूकता और सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देना था।

डॉ. परमेश कुमार पर्यावरण अध्ययन संस्थान के निदेशक नियुक्त

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार आईआईएचएस के प्रोफेसर परमेश कुमार को पर्यावरण अध्ययन संस्थान का निदेशक नियुक्त किया है। प्रो. परमेश कुमार की यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से दो वर्ष की अवधि के लिए या अगला आदेश जारी होने तक, जो भी पहले हो, लागू रहेगी। प्रोफेसर परमेश कुमार ने कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपनी निष्ठा, कार्यकुशलता और शैक्षणिक प्रतिबद्धता के माध्यम से पूर्ण रूप से निभाने का प्रयास करेंगे।

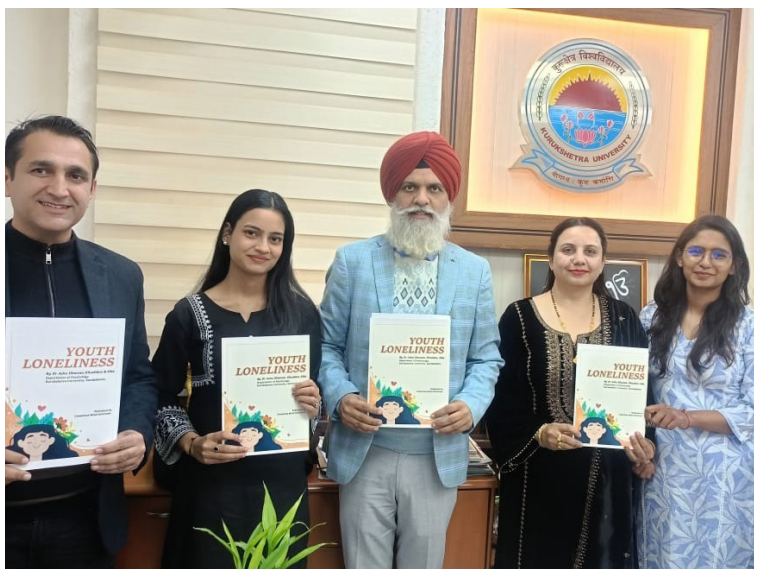

Editor. Dr. (Prof.) Maha Singh Poonia, Director, INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION AND MEDIA TECHNOLOGY, KURUKSHETRA UNIVERSITY, KURUKSHETRA, Editorial Committee: Dr. Abhinav Kataria, Asst. Prof., Dr. Tapesh Kiran, Asst. Prof., Dr. Pardeep Rai, Asst. Prof., Mr. Rahul Arora, Asst. Prof., Mr. Amit Jangra, Asst. Prof., IMC&MT, Printed by : KUK Press
Published By The Registrar, Kurukshetra University, Kurukshetra. E-mail id- newsletter@kuk.ac.in